अनुक्रमांक

नाम

मुद्रित पृष्ठों की संख्या: 5

923

818(BS)

2025

संस्कृत

केवल प्रश्न-पत्र

समय : तीन घण्टे 15 मिनट

पूर्णांक : 70

सामान्य निर्देश:

- प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं। (i)
- प्रश्न-पत्र दो खण्डों, खण्ड 'अ' तथा खण्ड 'ब' में विभाजित है। (ii)
- खण्ड 'अ' तथा 'ब' दो उपखण्डों, उपखण्ड (क), (ख) में विभाजित है। (iii)
- प्रश्न-पत्र के खण्ड 'अ' में बहुविकल्पीय प्रश्न हैं, जि<mark>नमें</mark> सही विकल्प चुनकर ओ.एम.आर. (iv) शीट में नीले अथवा काले बॉल प्वाइंट पेन से सही विकल्प वाले गोले को पूर्ण रूप से भरें।
- खण्ड 'अ' में बहुविकल्पीय प्रश्न हेतु प्रत्येक प्रश्न के लिए 1 अंक निर्धारित है। (v)
- ओ.एम.आर. शीट पर उत्तर अंकि<mark>त किये जाने के</mark> पश्चात् उसे काटे नहीं तथा इरेजर (vi) (Eraser) एवं डाइटनर (Whitener) का प्रयोग न करें।
- प्रत्येक प्रश्न के सम्मुख उसके निर्धारित अंक दिये गये हैं। (vii)
- (viii) खण्ड 'ब' के प्रत्येक उपखण्ड के सभी प्रश्न एक साथ करना आवश्यक है। प्रत्येक उपखण्ड नये पृष्ठ से प्रारम्भिकये जायें।
- सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। (ix)

खण्ड - 'अ'

20

1

(बहुविकल्पीय प्रश्न)

उपखण्ड (क)

प्रश्न संख्या 1 एवं 2 गद्यांश आधारित प्रश्न हैं। गद्यांश को ध्यान से पढ़ें और उत्तर का चयन करें: 'अथ सर्वविधविटपिनां मध्ये स्थितः सुमहान अश्वत्थदेवः भो! भो।

वनस्पतिकुलप्रदीपा महापादपाः, कुसुमकोमलदन्तरूचः लताकुल-ललनाश्च सावहिताः शृण्वन्तु भवन्तः । अद्य मानववार्तव अस्माकं समालोच्यविषयः'।

उक्त गद्यांशस्य शीर्षकः अस्ति 1.

(B) विश्वकविः खीन्द्रः

(A) नैतिकमूल्यानि

(D) जीवनं निहितं वने

(C) उद्भिज्ज-परिषद्

अश्वत्थदेवः केषां मध्ये स्थितः अस्ति?		1
(A) सर्वविधविटपिनाम्	(B) गङ्गानाम्	
(C) जनानाम्	(D) बालकानाम्	
कस्य सेवकः श्री रघुवीरसिंहः अस्ति?		1
(A) महावीरस्य	(B) रणवीरस्य	
(C) शिववीरस्य	(D) न कस्यापि	
किं योगः उच्यते?		1
(A) कर्म	(B) समत्वं	
(C) सङ्ग	(D) असमत्वं	
द्रोणः केन मनसा प्रत्यभाषत?		1
(A) न द्वेषमना	(B) द्वेषमना	
(C) प्रीतमना	(D) दुग्धम् प्रीतमना:	
आर्द्रपादः किं कुर्यात्?		1
(A) भुञ्जीत	(B) संविशेत्	
(C) पिबेत्	(D) चलेत्	
गायतु गीता कर्ममहत्वं योगक्षेमवि <mark>धानम्' सूक्ति उ</mark> द्	द्रुतोऽस्ति?	1
(A) लक्ष्यवेधपरीक्षा	(B) सूक्तिमुधा	
(C) गीतामृतम्	(D) जीव्याद् भारतवर्षम्	
विनयः कस्य पाठस्य पात्रः अस्ति?		1
(A) कारुणिको <mark>जीमूतवाहनः</mark>	(B) वयं भारतीयाः	
(C) यौतुकं पापसञ् <mark>चयः</mark>	(D) महात्मनः संस्मरणानि	
यौतुकं भवति?		1
(A) शब्दसञ्चयः	(B) अर्थसञ्चयः	
(C) पापसञ्चयः	(D) पुण्यसञ्चयः	
जसविन्दरः कस्य पाठस्य पात्रः अस्ति?		1
(A) भोजस्य शल्यचिकित्सा	(B) कारुणिको जीमूतवाहनः	
(C) ज्ञानं पूततरं सदा	(D) वयं भारतीयाः	
उपखण्ड (ख)		
'जश्' प्रत्याहार के वर्ण हैं:		1
(A) जू, ब्, ग, ड्	(B) ज्, ब्, ग, इ, दृ	
(C) ज्, ब्, ग्, ञ्	(D) ज्, ब्, ग्, इ, द	
	(A) सर्वविधविटिपनाम् (C) जनानाम् कस्य सेवकः श्री रघुवीरसिंहः अस्ति? (A) महावीरस्य (C) शिववीरस्य किं योगः उच्यते? (A) कर्म (C) सङ्ग द्रोणः केन मनसा प्रत्यभाषत? (A) न द्रेषमना (C) प्रीतमना आर्द्रपादः किं कुर्यात्? (A) भुञ्जीत (C) पिबेत् गायतु गीता कर्ममहत्वं योगक्षेमविधानम्' सूक्ति उद्ध (A) लक्ष्यवेधपरीक्षा (C) गीतामृतम् विनयः कस्य पाठस्य पात्रः अस्ति? (A) कारुणिको जीमृतवाहनः (C) यौतुकं पापसञ्चयः यौतुकं भवति? (A) शब्दसञ्चयः (C) पापसञ्चयः जसविन्दरः कस्य पाठस्य पात्रः अस्ति? (A) भोजस्य शल्यचिकित्सा (C) ज्ञानं पूततरं सदा उपखण्ड (ख) 'जश्' प्रत्याहार के वर्ण हैं: (A) जू, ब्, ग, ड्	(A) सर्वविधविटिपनाम् (C) जनानाम् कस्य सेवकः श्री रघुवीरसिंहः अस्ति? (A) महावीरस्य (C) शिववीरस्य (D) न कस्यापि किं योगः उच्यते? (A) कर्म (B) समत्वं (C) सङ्ग (D) असमत्वं होणः केन मनसा प्रत्यभाषत? (A) न द्वेषमना (C) प्रीतमना (D) दुग्धम् प्रीतमनाः आर्द्रपादः किं कुर्यात्? (A) भुञ्जीत (C) पिबेत् (D) चलेत् गायतु गीता कर्ममहत्वं योगक्षेमविधानम् सूक्ति उद्धृतोऽस्ति? (A) लक्ष्यवेधपरीक्षा (C) गीतामृतम् (D) जीव्याद् भारतवर्षम् विनयः कस्य पाठस्य पात्रः अस्ति? (A) कारुणिको जीमूतवाहनः (C) यौतुकं पापसञ्चयः (D) महात्मनः संस्मरणानि यौतुकं भवति? (A) शब्दसञ्चयः (B) अर्थसञ्चयः (C) पापसञ्चयः (D) पुण्यसञ्चयः जसविन्दरः कस्य पाठस्य पात्रः अस्ति? (A) भोजस्य शल्यचिकित्सा (B) कारुणिको जीमूतवाहनः (C) पापसञ्चयः (D) पुण्यसञ्चयः जसविन्दरः कस्य पाठस्य पात्रः अस्ति? (A) भोजस्य शल्यचिकित्सा (B) कारुणिको जीमूतवाहनः (C) जानं पूततरं सदा (D) वयं भारतीयाः उपखण्ड (ख)

उपखण्ड (क)				
(वर्णनात्मक प्रश्न)				
खुण्ड - 'ब'				
	(C) चत्वारि आननः यस्य सः	(D) चतुरः इव आननः		
	(A) चतुरः आननः येन सः	(B) चत्वारि आननानि यस्य सः		
20.	चतुराननः' का समास विग्रह है:		1	
	(C) कर्मधारय समास	(D) अव्ययीभाव समास		
	(A) बहुब्रीहि समास	(B) द्विगु समास		
19.	'प्रत्येकम्' में समास है:	5	1	
	(C) लट् लकार मध्यम पुरुष एकवचन	(D) लङ् लकार मध्यम पुरुष एकव		
	(A) लट् लकार <mark>प्रथम पुरुष ए</mark> कवचन	(B) लृट् लकार प्रथम पुरुष बहुवच	न	
18.	जानाति' रूप है:		1	
	(C) लङ् लकार	(D) लृट् लकार		
	(A) लट् लकार	(B) लोट् लकार		
17.	'चोरयत्' रूप किस लकार का है?		1	
	(C) षष्ठी विभक्ति एकवचन	(D) तृतीया विभक्ति एकवचन		
	(A) प्रथमा विभक्ति बहुवचन	(B) चतुर्थी विभक्ति एकवचन		
16.	'नद्यः पद किस विभक्ति एवं वचन का रूप है?		1	
	(C) राज्ञे	(D) राजभ्यः		
	(A) राज्ञः	(B) राजभिः		
15.	'राजन्' पद का चतुर्थी विभक्ति एकवचन का रूप		1	
	(C) परसवर्ण सन्धि	(D) हिश च		
	(A) श्रुत्व सन्धि	(B) अनुस्वार सन्धि		
14.	'शान्ति' में सन्धि है:		1	
	(C) मनोगः	(D) मनसयोगः		
10.	(A) मनोयोगः	(B) मनौयोगः	-	
13.	'मनस् + योगः' में सन्धि है:	(2) & "	1	
	(C) दन्त	(D) मूर्धा		
12.	(A) ओष्ठ	(B) तालु	1	
12.	'स' वर्ण का उच्चारण स्थान है:		1	

निर्देश: सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1.	निम्नि	लेखित गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश का हिन्दी में अनुवाद कीजिए:	4
	(क)	अतः प्रबुद्धाः विद्वांसः तस्या रूढेरपि विरोधं कुर्वन्ति, परं तैः आचरणस्य व्यवहा	रे नवीनः
		आदर्शः स्थाप्यते, यः कालान्तरे समाजस्य कृते हितकरः भवति, परं वस्तुतः यार्	
		नैतिकमूल्यानि सन्ति तेषु परिवर्तन न भवति ।	
	(ख)	देशकालवदेव कालिदासकुलस्यापि स्पष्टः परिचयो नोपलभ्यते। तस्य कृतिषु	
		वर्णाश्रमधर्मव्यवस्थायाः याथातथ्येन प्रतिपादेन एतदनुमीयते यत् तस्य जन्म	
		विप्रकुलेऽभवत्। भावनया स शिवानरक्तश्चासीत् तथापि तस्य धर्मभावनायां मना	गपि
		सङ्कीर्णता नासीत्। शिवभक्तोऽपि तत् रघुवंशे स रामं प्रति स्वभक्तिभावमुदारम	नसा
		प्रकटयति ।	
2.	निम्नि	लेखित पाठों में से किसी एक पाठ का सारांश हिन्दी में <mark>लिखिए:</mark>	4
	(ক)	मदनमोहनमालवीयः	
	(ख)	गुरुनानकदेवः	
	(ग)	जीवनं निहितं वने ।	
3.	निम्नि	लेखित श्लोकों में से किसी एक श्लोक <mark>की हिन्दी में</mark> व्याख्या कीजिए:	4
	(ক)	"भैषज्यमेतद् दुःखस्य यदेतन्ना <mark>न</mark> ुचिन्तयेत्।	
		चिन्त्यमानं हि न व्येति भू <mark>यश्चापि प्रवर्धते"</mark> ।।	
	(ख)	"लक्ष्मीर्न या याचकदुःखहारिणी विद्या न याप्यच्युत् भक्तिकारिणी।	
		पुत्रो न यः पण्डितमण्डलाग्रणीः सा नैव सा नैव स नैव नैव"॥	
4.	निम्नि	लेखित सूक्तियों में से किसी एक सूक्ति की हिन्दी में व्याख्या कीजिए:	3
	(ক)	पादैः <mark>पिबति पादपः।</mark>	
	(ख)	शतं वर्षाणि जीवति।	
	(ग)	<mark>शिरः पश्यामि भासस्य न गात्रमिति सो</mark> ऽब्रवीत् ।	
5.	निम्नि	लेखित में से किसी एक श्लोक का अर्थ संस्कृत में लिखिए:	4
	(क)	"नोच्छिष्टं कस्यचिद् दद्यान्नाद्याच्चैव तथान्तरा।	
		न चैवात्यशनं कुर्यान्न चोच्छिष्टः क्वचिद् व्रजेत"।।	
	(ख)	"श्लोकस्तु श्लोकतां याति यत्र तिष्ठन्ति साधवः।	
		लकारो लुप्यते तत्र यत्र तिष्ठन्त्यसाधवः"।।	
6.	(ক)	निम्नलिखित में से किसी एक पाठ का चरित्र चित्रण हिन्दी में लिखिए:	4
		(i) यौतुकंपापसञ्चयः' पाठ के आधार पर 'चपला' का।	
		(ii) धैर्यधनाः हि साधवः पाठ के आधार पर 'वणिज' का।	
		(iii) "वयं भारतीया पाठ के आधार पर दीपक का।	

	(ख) निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर सस्कृत में लिखिए:						
	(i) राजा 'भोजः' कस्य नगरस्य आसीत्? (ii) 'नागानन्दम्' इति नाटके कति अङ्काः सन्ति?						
		(iii)	'चपला' कस्य	। पुत्रवधू आसी	त्?		
				,	पखण्ड (ख	7)	
7.(क)					हा नाम लिखिए:		
	(i)	बालव	कः <u>विद्यालयात</u> ्	्निर्गच्छति।		·	
	(ii)	तस्मै व	कदली फलानि	रोचन्ते।			
	(iii)	रामः न	<u>नेत्राभ्यां</u> पश्यति	П			
(ख)	निम्न	लेखित	में से किसी एव	क्र पद में प्रत्यय	लिखिए:		2
	(i) अ	गस्तिक	:	(ii) बुद्धिमान्		(iii) गतिः।	
8.	निम्नी	लेखित	में से किसी एव	क्र का वाच्य पी	रेवर्तन <mark>की</mark> जि	ाए:	3
	(क) र	मा गीत	ाां पठति ।				
	(ख) ব	चं तिष्ठ	सि ।				
	(ग) स्	ग हसति	Ť				
9.	निम्न	लेखित	वाक्यों में से वि	क्रेन्हीं <mark>तीन वाक</mark>	यों <mark>का</mark> संस्कृ	त में अनुवाद कीजि	ए: 2× 3=6
		9	ब पढ़ते हो।				
	` ′		होस भर टे <mark>ढ़ी है</mark>				
	(iii)	सड़क	के दोनों ओर	पेड़ हैं।			
	` /		द मत करो।				
	` /		ाँव से आता है।				
10.				क्र विषय पर संर	स्कृत में आट	उ वाक्यों का निबन्ध	लिखिए: 8
	(i) हि	मालयः			(ii) याताय	9	
		अनुशार			(iv) संस्कृ	त-भाषायाः महत्त्वम्	`
	\ /		परमोधर्मः ।	a. 2. 24			
11. निम्नलिखित पदों में से किन्हीं दो प			हीं दो पदो का र	पंस्कृत वाक्र	र्गो में प्रयोग कीजिए:	$2 \times 2 = 4$	
	(i) यु	ष्माकम्	,				
	(ii) &	_					
	, ,	लेखकः					
	(iv)						
	(v) ₹	क्षति					